Divyapati Ashtakam

दिव्यपत्यष्टकम्

Document Information

Text title : Divyapati Ashtakam

File name : divyapatyaShTakam.itx

Category : vishhnu, svAminArAyaNa, krishna, aShTaka

Location : doc_vishhnu

Author : yogAnandamuni

Acknowledge-Permission: Swaminarayan Sampradaya

Latest update : August 8, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

August 9, 2024

sanskritdocuments.org

दिव्यपत्यष्टकम्

(अष्टपदी)
जलधर-सुन्दर मदन-मनोहर
हृदय-तमोहर कृष्ण हरे ।
वृषकुल-भूषण दलितविदूषण
दिव्य-विभूषण दिव्यगते ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ १॥

निजजनरञ्जन भवभयभञ्जन
भुवननिरञ्जन भक्तरते ।
मुनिजन-मण्डन विषय-विखण्डन
खलजन-दण्डन दण्डविधे ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ २॥

असुर-निकन्दन सुरवृष-नन्दन
चर्चित-चन्दन मुक्तमुने ।
भवजलतारण दोष-निवारण
मङ्गल-कारण मुक्तपते ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ३॥

सरसिज-लोचन जनिमृति-मोचन
रविशशि-रोचन रागिरते ।
असुर-विमोहन सुरसुख-दोहन
वारण-रोहण शीघ्रगते ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर

जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ४॥

निजहित-शासन शाप-विनाशन
हय-गरुडासन सादिवृते ।
दुर्गपुरासन भक्त-निवासन
भूजित-कुवासन भक्तरते ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ५॥

रचित-निजावन भक्ति-विभावन
पङ्क्ति-सुपावन पुण्यपते ।
शं कुरु शङ्कर वैरिभयङ्कर
धर्मधुरन्धर योगिगते ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ६॥

खण्डित-चण्डं पण्डित-मण्डं
जित-पाखण्डं दण्ड-भटम् ।
कम्पित-कालं वृषकुल-पालं
वर-वनमालं पीतपटम् ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ७॥

श्रितसुखकन्दं बोधितमन्दं
सहजानन्दं त्वाधिभजे ।
कुरु तव दासं चरणनिवासं
त्यक्तकुवासं योगमुनिम् ।
जयजय-जयकर दीनदयाकर
जगति दिवाकर दिव्यपते ॥ ८॥

इति श्रीयोगानन्दमुनिविरचितं दिव्यपत्यष्टकं सम्पूर्णम् ।

Divyapati Ashtakam

pdf was typeset on August 9, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*